संडे स्कूल पाठ

पद्चिन्ह: साहसी बनो, उठ खड़े हो/भीड़ से अलग!

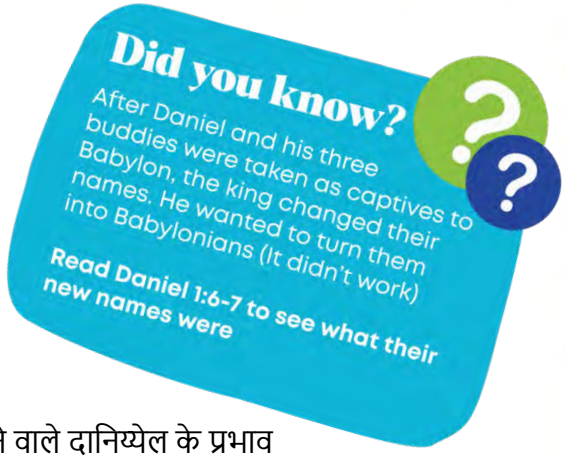

पाठ का परिचय

संडे स्कूल का यह पाठ अत्यधिक व्यापक है। हो सकता है कि आप इसे अनुभागों में विभाजित करना चाहें और इसे दो या तीन संडे स्कूल कक्षाओं में उपयोग करें।

पाठ का उद्देश्य यह है कि बच्चे राजा दारा के जीवन पर पड़ने वाले दानिय्येल के प्रभाव को समझें और यह कि बच्चे उन प्रभावों के बारे में सोचें जो वे दूसरों पर डाल सकते हैं।

इस पाठ में मोटे अक्षरों में अंकित प्रश्न प्रमुख हैं। सुनिश्चित करें कि आप समय निकालकर बच्चों की बात सुनें और उनके उत्तर को स्वीकार करें। कोई 'गलत' उत्तर नहीं हैं। बच्चे अपनी कल्पना और व्यक्तिगत आत्मिकता का उपयोग यह समझने के लिए करते हैं कि परमेश्वर उनसे क्या कह रहा है। हम सिर्फ 'सुविधाकर्ता' हैं।

याद करने के लिए आयत: दानिय्येल 6:26-27
'मैं यह आज्ञा देता हूँ कि जहाँ जहाँ मेरे राज्य का अधिकार है, वहाँ के लोग दानिय्येल के परमेश्वर के सम्मुख काँपते और थरथराते रहें, क्योंकि जीवता और युगानयुग तक रहनेवाला परमेश्वर वही है; उसका राज्य अविनाशी और उसकी प्रभुता सदा स्थिर रहेगी। जिसने दानिय्येल को सिंहों से बचाया है, वही बचाने और छुड़ानेवाला है; और स्वर्ग में और पृथ्वी पर चिह्नों और चमत्कारों का प्रगट करनेवाला है।'

पदचिह्न विषय का परिचय:

पदचिह्न
संज्ञा
फुटप्रिंट | \ˈfu̇t-ˌprint \
पदचिह्न की *परिभाषा*
1: सतह पर पैर की छाप

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें।
क्या आपने कभी रेत में अपने पैरों के निशान देखे हैं?
जब आप कदम रखते हैं, तो आप एक निशान छोड़ते हैं जो आपके जाने के बाद लंबे समय तक रह सकता है।

पैरों के निशान चलने या दौड़ने वाले व्यक्ति द्वारा छोड़े गए इंप्रेशन या छवियां हैं।

बच्चों से कहें कि वे अपने पैरों के आकार, माप और साथ ही उसकी अन्य विशिष्ट विशेषताओं को देखें। उनसे पूछें कि क्या उनके पास कोई 'ब्यूटी स्पॉट' है।

Lesson Activity

ख़ामोशी को तोड़ें या खेल करें जो 'पद्चिन्ह' विषय से संबंधित हो। यहाँ कुछ सुझाव हैं [1]:

1. **पैर की अंगुली का कौशल:** टीम के सभी खिलाड़ी या सदस्य एक-दूसरे के बगल में बैठते हैं और अपने पैर की उंगलियों से पड़ोसी से दूसरे तक कॉर्क पास करने की कोशिश करते हैं।
2. **गुब्बारों को संतुलित करना:** केवल पैरों का उपयोग करके, एक या एक से अधिक गुब्बारों को बिना गुब्बारे को जमीन से छुए हवा में ऊपर रखना चाहिए। इसे समयबद्ध भी किया जा सकता है।
3. **नंगे पैर छूना:** वस्तुओं को महसूस करने के लिए केवल पैरों का उपयोग करते हुए आंखों पर पट्टी बांधकर विभिन्न सामग्रियों की पहचान की जानी चाहिए।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें:
जब आप अपने पदचिह्न के बारे में सोचते हैं तो आप क्या सोचते हैं?
जवाबों को दोहराकर या उन्हें दोबारा लिख कर स्वीकार करें।

आज हम दानिय्येल की कहानी देख रहे हैं जो पुराने नियम में पाई जाती है। बाइबिल में दानिय्येल की कहानी एक कठिन समय में चार युवकों के आत्मविश्वास, प्रतिबद्धता और साहस को दर्शाती है। उन्हें राजा नबूकदनेस्सर ने बंदी बना लिया। बाइबिल की कहानी बताती है कि कैसे दानिय्येल और उसके दोस्तों ने परमेश्वर के प्रति समर्पण और बहुत कठिन समय में दूसरों की सेवा करके - दूसरों के जीवन में एक बड़ा पदचिह्न छोड़ा - विशेष रूप से राजा नबूकदनेस्सर और राजा दारा के जीवन पर।

दानिय्येल की कहानी

बच्चों के साथ मिलकर दानिय्येल की कहानी पढ़ने का एक रचनात्मक तरीका खोजें। हो सकता है कि आप किसी विशेष बाल बाइबिल या YouTube वीडियो का उपयोग करना चाहते हों। जितना हो सके रचनात्मक बनें! पाठ में हम अध्याय छह पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।यहां आपके लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं:

पुस्तकें:

- डैनिएल इन द लायंस डेन, द ब्रिक बाइबिल फॉर किड्स बाय ब्रेंडन पॉवेल स्मिथ, द ब्रिक बाइबिल बुक स्टोर

वीडियो:

- Daniel in the Lions' Den
- Daniel and the Lion's Den - Animated Scripture Lesson for Kids
- VeggieTales - Daniel and the Lions' Den

[1] for more game suggestions, visit:
https://www.youthworkpractice.com/games/feets-toes-legs-games.html

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: क्या आप तीन शब्दों में अपना वर्णन कर सकते हैं? और वो शब्द क्या हैं?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

हो सकता है कि आप खुद को मजाकिया, बुद्धिमान और आलसी 'बताते हों, लेकिन यह विनम्र, शर्मीला और मददगार 'भी हो सकता है। ये सभी शब्द आपके चरित्र का वर्णन करते हैं। हमारे चरित्र का हमारे जीवन और हमारे रिश्तों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। अगर आप ईमानदार हैं तो लोग आप पर भरोसा करेंगे। यदि आप आलसी हैं, तो आपको एक मेहनती के रूप में नहीं देखा जाएगा। दानिय्येल की कहानी में हम देखते हैं कि कैसे उसका चरित्र उसके आसपास के लोगों के जीवन को प्रभावित करता है।

दारा राजा बन गया जब उसने और उसकी सेनाओं ने बेलशस्सर पर विजय प्राप्त की और शहरपनाह के नीचे बाबुल में प्रवेश किया। इस नए क्षेत्र के शासक के रूप में, दारा ने विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर अधिकार रखने के लिए 120 क्षत्रपों या राज्यपालों को चुना। 120 क्षत्रप/राज्यपाल राजा द्वारा चुने गए तीन उपाध्यक्षों के नेतृत्व में थे।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: कौन से तीन शब्द दानिय्येल के चरित्र का वर्णन करते हैं?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

दानिय्येल अध्याय 6 की कहानी की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी।

दानिय्येल की राजा दारा के सामने बहुत अच्छी प्रतिष्ठा थी, और उसकी बेहतरीन प्रतिष्ठा के कारण राजा उसे पदोन्नत करने की योजना बना रहा था और उसे पूरे राज्य पर नियुक्त करने की योजना बना रहा था।
दो अन्य उपाध्यक्षों को यह विचार पसंद नहीं आया कि राजा दानिय्येल को पूरे राज्य का शासक बनाने की योजना बना रहा है। वे इस बात से जलते थे कि राजा सोचता था कि दानिय्येल असाधारण प्रतिष्ठा वाला एक बेहतरीन व्यक्ति है। वे नहीं चाहते थे कि उसे पूरे राज्य के शासक के रूप में पदोन्नत किया जाए। वे उसकी भलाई देखने के बजाय दानिय्येल के साथ कुछ गलत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे।

दानिय्येल को राजा की नज़रों में अच्छा दिखने से रोकने का एक ही तरीका था कि वे यह देखें कि दानिय्येल अपने काम में कुछ गलत कर रहा है या नहीं। निश्चित रूप से, वे ऐसा समय तलाशने लगे जब वह अपने काम में बेईमानी करे या पैसा ले जो उसका नहीं था। हो सकता है कि जब वह काम पर हो तो वे उसे अपनी मेज पर झपकी लेते हुए पकड़ सकें। उन्होंने दानिय्येल के बारे में कुछ बुरा कहने के लिए बहुत खोजबीन की लेकिन उन्हें कुछ भी गलत नहीं मिला। दानिय्येल हर बात में भरोसेमंद और विश्वासयोग्य था।

इसने दो उपाध्यक्षों को निराश किया कि उन्हें दानिय्येल के व्यवहार में कुछ भी गलत नहीं मिला। वे अब भी उसे राजा की नज़र में बुरा दिखाना चाहते थे इसलिए उन्होंने इसके बारे में सोचा और महसूस किया कि दानिय्येल को बुरा दिखाने का एकमात्र तरीका यह है कि अगर वे यह साबित कर सकें कि दानिय्येल परमेश्वर के नियमों को तोड़ता है। वे जानते थे कि दानिय्येल अपने परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य था और उसके द्वारा कुछ गलत करने का एकमात्र तरीका यह साबित करना था कि वह परमेश्वर के विरुद्ध पाप करता है।

दोनों उपाध्यक्षों ने बहुत से क्षत्रपों को इकट्ठा किया जो राज्य में सेवा कर रहे थे और उन्हें दानिय्येल को नीचे गिराने की अपनी योजना के बारे में बताया। वे दानिय्येल को मुसीबत में डालने के लिए इतने बेताब थे कि उन्होंने क्षत्रपों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया। जब वे अपनी योजना के साथ आए और लोगों की भीड़ को अपनी योजना के बारे में बताया, तो वे इसे राजा दारा के पास ले गए।

कल्पना कीजिए कि उस दिन राजा दारा आप होते जिस दिन उसके नियुक्त करने वाले अगुवे उसके सामने प्रकट होंगे। वे उसके सामने खड़े हुए और चापलूसी भरे शब्द बोले। उन्होंने कहा, 'हे राजा दारा, तू सदा जीवित रहे! हम आपस में मिल गए हैं और इस बात पर सहमत हो गए हैं कि हम सोचते हैं कि आपको एक ऐसा कानून बनाना चाहिए कि अगले 30 दिनों तक कोई भी आपके अलावा किसी और ईश्वर की इबादत न करे। यदि कोई तेरा नियम तोड़ेगा, तो उसको दण्ड दिया जाएगा कि वह सिंहों की मांद में डाल दिया जाए।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: आपको क्या लगता है कि राजा दारा की क्या प्रतिक्रिया होगी? जवाबों को दोहराकर या उन्हें अलग-अलग शब्दों में लिखकर स्वीकार करें और कहें: 'आइए देखें कि राजा दारा ने क्या जवाब दिया।'

राजा खुश हुआ। यहां उसके मंत्रियों का एक समूह सुझाव दे रहा था कि सभी लोग अगले 30 दिनों तक केवल उससे ही प्रार्थना करें। यह उसे एक अच्छे विचार की तरह लग रहा था क्योंकि वह शायद सोच रहा था कि उसके राज्य के लोगों द्वारा उसकी प्रशंसा करना कितना अद्भुत होगा। उसने कानून लिखा और कानून को अपरिवर्तनीय बनाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए और मुहर लगा दी। जो लिखा गया था वह होना ही था और कोई भी राजा के कानून को नहीं बदल सकता था।

बच्चों से पूछें: आपके विचार में राजा दारा पर किसका सकारात्मक प्रभाव है? दानिय्येल या अधिपति? आप ऐसा क्यों सोचते हैं?
जवाबों को दोहराकर या उन्हें अलग-अलग शब्दों में लिखकर स्वीकार करें

उपाध्यक्षों ने राज्य-पाल और राजा पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ा: उनका उद्देश्य दानिय्येल को चोट पहुँचाना और परमेश्वर के विरुद्ध पाप करना था। दानिय्येल का प्रभाव सकारात्मक था; उसने अपने असाधारण गुणों के साथ राजा की मदद की।

जब दानिय्येल ने सुना कि कानून राजा द्वारा लिखा और हस्ताक्षरित है, तो वह घर गया और वही किया जो वह हमेशा करता था। उसने अपनी खिड़की खोली जिसका मुख यरूशलेम की दिशा में था, वह स्थान जहाँ वह कई वर्ष पहले परमेश्वर के लोगों के साथ रहता था। वह अपने घुटनों पर बैठ गया और प्रार्थना करने लगा और परमेश्वर से मदद माँगने लगा।

दानिय्येल परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य था और कोई भी बात उसे प्रार्थना करने और परमेश्वर से बात करने से नहीं रोक सकी।

जब दानिय्येल अपनी खिड़की खोलकर प्रार्थना कर रहा था, तो प्रशासक और राज्य-पाल उसके घर आए और उसे अपने परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए पाया। वे राजा दारा के पास दौड़कर गए तब उन्होंने राजा से कहा, "यहूदी बन्दियों (जो अपने ही देश से ले जाया गया हो) में से जो

दानिय्येल है, उस ने, हे राजा, न तो तेरी ओर कुछ ध्यान दिया, और न तेरे हस्ताक्षर किए हुए आज्ञापत्र की ओर; वह दिन में तीन बार विनती किया करता है।"

राजा दारा बहुत परेशान हुआ। वह जानता था कि दानिय्येल एक ईमानदार आत्मा वाला एक विश्वासयोग्य व्यक्ति है। उसने बहुत कोशिश की कि दानिय्येल को सजा न मिले क्योंकि उसने इस कानून को तोड़ा था। वह तब तक कड़ी मेहनत करता रहा जब तक कि दिन खत्म नहीं हो गया और वह दानिय्येल को उसकी सजा से बचाने की कोशिश करता रहा।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: आप राजा दारा के बारे में कैसा महसूस करते हैं?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रियाओं को सुनें: क्या आपने कभी दारा की तरह महसूस किया है, अपने किए किसी कार्य पर पछतावा करना क्योंकि यह किसी को चोट पहुँचा रहा है?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

प्रशासक और राज्य-पाल राजा के पास आए और उसे याद दिलाया कि वह अपने कानून को नहीं तोड़ सकता है और दानिय्येल को शेरों की मांद में दंडित किया जाना है।

राजा दारा ने अपनी व्यवस्था बनाते समय बुद्धि का उपयोग नहीं किया। वह उन लोगों से प्रभावित था जो दानिय्येल को चोट पहुँचाना चाहते थे। उसने सोचा था कि ऐसे कानून से उसे लोगों की खुशी और प्यार मिलेगा। लेकिन आखिरकार इसने उसे दुखी कर दिया। वह जानता था कि उसने गलती की है। और उसके कारण अब दानिय्येल को एक खतरनाक स्थिति में रखा जा रहा था। यह जानते हुए कि उसके पास और कोई विकल्प नहीं था, दारा ने दानिय्येल को शेरों की मांद में फेंकने का आदेश दिया। जब दानिय्येल को गड़हे में ले जाया जा रहा था, तब राजा ने कहा, 'तेरा परमेश्वर जिसकी तू उपासना करता है वह तुझे छुड़ाए!'

जब दानिय्येल सिंहों की मांद में डाला गया, तब राजा ने मांद के मुंह पर एक पत्थर रखवा दिया, और उस पर अपनी अंगूठी से मुहर लगा दी। दारा अपने महल में लौट आया और पूरी रात बिना कुछ खाए या किसी तरह के मनोरंजन के बिताई।

बच्चों से पूछो और प्रतिक्रियाएँ सुनो: मुझे आश्चर्य है कि उस रात राजा दारा ने और क्या किया और उसने कैसा महसूस किया ...

यह जानने के लिए चारों ओर देखें कि कौन प्रतिक्रिया देना चाहता है और प्रत्येक प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

हम ठीक-ठीक नहीं जानते कि उसने क्या किया, लेकिन हम जानते हैं कि दारा के लिए यह एक लंबी रात रही होगी।

दिन निकलते ही दारा सिंहों की मांद की ओर दौड़ा। जब वह गड़हे के पास पहुंचा, तब उस ने उदास स्वर से दानिय्येल को पुकारा, 'दानिय्येल जीवते परमेश्वर के दास, क्या तेरा परमेश्वर, जिसकी तू नित्य उपासना करता है, तुझे सिंहों से बचा सका है?'

दानिय्येल को यह कहते हुए सुनना दारा के लिए क्या ही राहत की बात थी, हे राजा, तू युगयुग जीवित रहे! मेरे परमेश्वर ने अपने दूत भेजे और उस ने सिंहों के मुंह को बन्द कर दिया। उन्होंने मुझे कोई हानि नहीं पहुंचाई, क्योंकि मैं उसके साम्हने निर्दोष पाया गया। और न ही हे राजा, मैं ने तेरे साम्हने कभी कुछ गलत किया है। दानिय्येल को हर समय परमेश्वर द्वारा संरक्षित किया गया था! परमेश्वर पर भरोसा रखें, उसकी इच्छा के प्रति प्रतिबद्ध हों और कठिन समय में साहसी बनना जारी रखें। परमेश्वर आपकी रक्षा करेगा और संकट में आपकी सहायता करेगा। यदि आप प्रतिदिन परमेश्वर से जुड़े रहते हैं, उसकी बात सुनकर, प्रार्थना करके और उसके वचनों को पढ़कर, तो आप दानिय्येल की तरह पवित्र आत्मा के द्वारा शक्ति प्राप्त करेंगे।

राजा बहुत खुश था कि दानिय्येल जीवित था! उसने दानिय्येल को मांद से बाहर निकालने का आदेश दिया। वे उसे बाहर ले आए और परमेश्वर की उपस्थिति के कारण उसके शरीर पर काटने का कोई निशान या खरोंच नहीं पाई गई!

राजा दारा ने एक नया कानून लिखा जिसमें कहा गया था कि उसके राज्य में हर किसी को दानिय्येल के परमेश्वर का सम्मान और आदर करना होगा। राजा दारा ने दानिय्येल के धर्मी जीवन में परमेश्वर की शक्ति और भूखे सिंहों से उसकी सुरक्षा को देखा। दारा ने लोगों के सामने जीवित परमेश्वर की स्तुति की।

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: दानिय्येल ने राजा दारा के जीवन पर क्या छाप छोड़ी? या: दानिय्येल के जीवन का राजा दारा के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

दानिय्येल के आत्मविश्वास, प्रतिबद्धता और साहस ने उसके आसपास के लोगों को प्रभावित किया। राजा दारा के जीवन पर दानिय्येल के प्रभाव को देखें!

बच्चों से पूछें और उनकी प्रतिक्रिया सुनें: आप अपने पदचिन्ह कैसे छोड़ सकते हैं/ क्या आप अपने चरित्र, प्रतिभा, उपहार और कौशल से दूसरों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं?

उनकी प्रतिक्रिया को दोहराकर या इसे दोबारा लिखकर स्वीकार करें।

यदि आप एक अच्छा प्रभावकारी व्यक्ति बनने की कोशिश कर रहे हैं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप परमेश्वर से कहें कि वह आपको दिखाए कि क्या आपकी कोई ऐसी आदत या व्यवहार है जो उन लोगों के लिए एक अच्छा उदाहरण नहीं हो सकता है जो आपको देख रहे हैं।

यदि आपने अपने लिए परमेश्वर के प्रेम और उसकी क्षमा को स्वीकार नहीं किया है, तो इसके लिए प्रार्थना करें और उससे पवित्र आत्मा की सामर्थ की मदद मांगें।

आइए हम दूसरों के बीच अच्छा जीवन जीने का चुनाव करें ताकि हम दूसरों के लिए ज्योति बन सकें और परमेश्वर की महिमा कर सकें!

पाठ समीक्षा प्रश्न:

- इस कहानी का कौन सा भाग आपको सबसे ज्यादा पसंद आया?
- दारा कौन है?
- दारा के राज्य में कितने क्षत्रप थे?
- दो उपाध्यक्ष दानिय्येल से क्यों जलते थे?
- वे क्यों कुछ ऐसा ढूंढ़ रहे थे जो दानिय्येल ने अपने जीवन में गलत किया था?
- उन्होंने राजा के सामने दानिय्येल को मुसीबत में डालने की योजना कैसे बनाई?
- जब दारा को दानिय्येल के प्रार्थना करने के बारे में बताया गया तो वह परेशान क्यों हुआ?
- जब दानिय्येल सिंहों की मांद में था तब दारा ने रात में क्या किया?
- दानिय्येल को मांद में सुरक्षा कैसे मिली?
- इस कहानी से आप कौन सा व्यक्ति बनना चाहेंगे और क्यों?
- आपको क्या लगता है इस कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्या है?
- इस सप्ताह आप ऐसा क्या कर सकते हैं जिसका दूसरे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा?

ये प्रश्न ministry to children[2] पर आधारित हैं और आश्चर्य प्रश्न Godly Play[3] से लिए गए हैं।

2 Ministry to youth - Daniel & the lions den (lesson activities)

3 Godly Play UK – A Christian movement centered on childhood spirituality

दानिय्येल के उदाहरण का पालन करते हुए:
अपने पदचिन्हों को वहीं छोड़ने की कुंजियाँ जहाँ आप हैं।

1 परमेश्वर का प्रेम

परमेश्वर का प्रेम आपके लिए है, उसका प्रेम आपके चारों ओर है। परमेश्वर ने अपना एकलौता पुत्र यीशु दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो परन्तु अनन्त जीवन पाए (यूहन्ना 3:16)। यदि आप जहां हैं वहीं प्रभाव डालना चाहते हैं, तो आपको केवल परमेश्वर के प्रेम की आवश्यकता है। उसका प्यार आपको दूसरों से और खुद से प्यार करने में सक्षम करेगा। यह उसका प्रेम है जो आपको परमेश्वर की इच्छा को पूरा होते हुए देखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा।

2 परमेश्वर का वचन और प्रार्थना

।बाइबिल का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है क्योंकि परमेश्वर का वचन आपको जीवन में सही दिशा में ले जाता है। यह आपके आगे के रास्ते को रोशन करता है ताकि आप स्पष्ट रूप से देख सकें कि किस रास्ते पर जाना है। अपने जीवन के हर समय में, आप आश्वस्त हो सकते हैं कि परमेश्वर हमेशा अपने वचन के द्वारा आपकी अगुवाई कर रहा है (भजन संहिता 119:11)।

बाइबिल का अध्ययन आपको आपने जीवन और आपके आस-पास के लोगों के लिए परमेश्वर का सा हृदय और बुद्धि देता है। जब आप मसीह और उसके वचन में रहने के इस स्थान से प्रार्थना करते हैं तो परमेश्वर उत्तर देने में प्रसन्न होता है। दानिय्येल और उसके दोस्तों ने अपने जीवन में परमेश्वर के वचन और प्रार्थना की भूमिका को समझा और हर परिस्थिति में परमेश्वर को सुनना जारी रखा।

3 परमेश्वर के हाथों बिक जाओ - आज्ञाकारिता

नेल्सन मंडेला और मदर टेरेसा जैसी छाप छोड़ने वाले लोगों में एक बात समान है: उन्होंने दूसरों पर ध्यान केंद्रित किया और खुद पर नहीं। यदि आप अनंत पदचिह्न छोड़ना चाहते हैं, तो मसीह और दूसरों पर ध्यान केंद्रित करें और अपनी स्थिति, हैसियत या प्रतिष्ठा की कम परवाह करें। दानिय्येल और उसके मित्र पूरी तरह से परमेश्वर के हाथों बिके हुए थे और अपने जीवन के लिए उसकी इच्छा के अनुसार उसकी आज्ञाकारिता में रहते थे। दानिय्येल किसी भी चीज़ से अधिक परमेश्वर से प्रेम करता था, इसलिए वह परमेश्वर से जुड़ा रहना चाहता था, चाहे दूसरे कुछ भी कहें। केवल एक लड़का या लड़की किसी एक परिवार, समुदाय, स्कूल, शहर या यहाँ तक कि एक पूरे राष्ट्र को प्रभावित करने के लिए जो परमेश्वर द्वारा उपयोग किए जाने के लिए आज्ञाकारी होने को तैयार हो, काफी है। सरल आज्ञाकारिता उन चीजों की ओर ले जा सकती है जिनकी आप कल्पना नहीं कर सकते।

4 आत्मा और सामर्थ्य का मनुष्य

दानिय्येल की तरह, आप पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से भरपूर हो सकते हैं यदि आप अचूक प्रमाणों के साथ अमिट निशान बनाना चाहते हैं।

5 ईश्वर की बुद्धि

ज्ञान यह समझने और न्याय करने की क्षमता है कि उस ज्ञान के कौन से पहलू सत्य, सही, स्थायी और आपके जीवन पर लागू होते हैं। दोनों के बीच अंतर जानना कभी-कभी कठिन हो सकता है। आप जहां भी हैं, अपने पदचिह्न छोड़ने के लिए आपको ज्ञान की भी आवश्यकता है। सुनिश्चित करें कि आपके पास बुद्धिमान और आत्मिक लोग हैं जो आपको सही निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

6 आत्मिक परिवार

दानिय्येल की तरह, हमें ऐसे मित्रों की आवश्यकता है जो हमारी यात्रा में साथ हों, हमारे विश्वास की यात्रा में भी। सुनिश्चित करें कि आप आत्मिक मित्रों और विश्वास के एक प्रेमपूर्ण समुदाय से घिरे हों। कठिन समय में वे आपका साथ देंगे और आप उनका साथ देंगे!

Every person can make a difference by changing his or her pattern of behaviour.
How can you?

आप कैसे? अपने पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने और सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए इन सुझावों को शामिल करें!

एकल-उपयोग और डिस्पोजेबल प्लास्टिक के अपने उपयोग को कम करें। क्या आप जानते हैं कि हमने अब तक जितना भी प्लास्टिक बनाया है, वह अभी भी मौजूद है? हम उन्हें फेंकने से पहले औसतन 12 मिनट के लिए डिस्पोजेबल प्लास्टिक शॉपिंग बैग का उपयोग करते हैं (और हाँ, कपड़ों की दुकानों, हार्डवेयर स्टोरों और कई अन्य स्थानों पर अभी भी प्लास्टिक शॉपिंग बैग हैं)। अन्य एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक जैसे स्ट्रॉ, कप और बर्तनों का अधिक समय तक उपयोग नहीं किया जाता है। पुन: प्रयोज्य वस्तुओं पर स्विच करें, जैसे पुन: प्रयोज्य पानी की बोतल, पुन: प्रयोज्य शॉपिंग बैग और पुन: प्रयोज्य कप। सबसे अच्छा कदम यह है कि आप हर दिन जितना हो सके प्लास्टिक का इनकार करना शुरू कर दें।

अपने पदचिह्न की सटीक गणना करने के लिए http://www.myfootprint.org पर जाएं। यदि आप अपने कार्बन पदचिह्न के बारे में अधिक जानना चाहते हैं और इसे कैसे कम किया जाए तो https://www.funkidslive.com/learn/what-is-a-carbon-footprint-and-what-can-we-do-to-reduce-it/ पर जाएँ!

More resources

1. Check out our 'Faith talks' card game. This game encourages intergenerational conversations so that people of all ages can express their faith, listen to, learn from each other and deepen their personal faith. The game consists of cards in seven categories and the sixt category is called 'On a mission'. All the cards will invite people to think about the impact they have on the lives of others.

पैरों के बारे में तथ्य[4]

1. आपके जीवनकाल के दौरान, यह संभावना है कि आप लगभग 115,000 मील चलेंगे। यह चार बार से अधिक पैदल दुनिया का चक्कर लगाने जैसा है।

2. एक पैर में 26 हड्डियाँ होती हैं। यह आपके शरीर में पाई जाने वाली सभी हड्डियों का एक चौथाई है। प्रत्येक पैर में 33 जोड़, 107 स्नायुबंधन और 19 टेंडन और मांसपेशियां भी होती हैं।

3. आपके पैर आपके शरीर का सबसे अधिक गुदगुदाने वाला हिस्सा हो सकते हैं।

[4] https://www.nyfoothealth.com/blog/2021/8/18/did-you-know-fun-facts-about-feet

संडे स्कूल के लिए शिल्प विचार

हम जानते हैं कि किस प्रकार दानिय्येल के आत्मविश्वास, समर्पण और साहस ने उसके आसपास के लोगों को प्रभावित किया। और हमने देखा है कि राजा दारा के जीवन पर दानिय्येल का क्या प्रभाव पड़ा! उसने हमारे अनुसरण के लिए एक उल्लेखनीय पदचिह्न छोड़ा। यह एक भौतिक पदचिह्न नहीं हो सकता है, लेकिन यह एक उदाहरण है जिसका हम सभी अनुसरण कर सकते हैं। परमेश्वर पर भरोसा रखें, परमेश्वर के प्रति समर्पित रहें और हर परिस्थिति में साहस रखें।

क्या आप दानिय्येल की तरह पदचिह्न छोड़ना चाहेंगे?
आइए हम एकत्रित हों क्योंकि हम कुछ शिल्प बनाएंगे जो हम में से प्रत्येक को विश्वास रखने, समर्पित रहने और साहस रखने के लिए एक यादगार होगा ताकि हम अपने पदचिह्न छोड़ सकें।

शिल्प विचार 1

आवश्यक सामग्री:

1. सफेद चादर या कपड़ा
2. अलग-अलग रंग के पेंट
3. कुछ मार्कर

एक समूह के रूप में, आप उपलब्ध किए गए पेंट का उपयोग करके सफेद चादर या कपड़े पर हाथ के निशान या पैरों के निशान बनाने के लिए प्रदान की गई सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। एक बार प्रिंट बन जाने के बाद, उन्हें सूखने दें।

बच्चों से पूछें कि प्रिंट के आगे किस तरह के संदेश या कीवर्ड लिखे जा सकते हैं। (ये 'बी यू', 'मेक योर मार्क', 'हैव कॉन्फिडेंस' वगैरह हो सकते हैं।) ये संदेश इस दुनिया में एक सकारात्मक पदचिह्न छोड़ने के लिए सभी को याद दिलाएंगे।

शिल्प विचार 2

आवश्यक सामग्री:

1. हार्ड पेपर/नॉर्मल पेपर
2. कैंचियाँ
3. मार्कर/क्रेयॉन/पेन/पेंसिल
4. धागे / सूते

प्रदान किए गए कागज के साथ, एक पेंसिल का उपयोग करके अपने हाथ या पैर का पता लगाएं। एक बार हो जाने के पश्चात्; अपने प्रिंट के किनारों को बोल्ड करने के लिए मार्कर का उपयोग करें। अपने हाथ या पैर पर दिखाई देने वाले महत्वपूर्ण निशान बनाएं क्योंकि ये आपकी पहचान या यात्रा को दर्शाएंगे जिससे आप गुजर चुके हैं। आपकी हथेली या पैर के तलुवे पर; अपना नाम लिखें, उदाहरण के लिए:

'मैरी' या 'जेम्स'। प्रत्येक उंगली पर पाँच प्रार्थनाएँ लिखें जो आपकी यात्रा में आपकी मदद करेंगी जहाँ आप एक निशान छोड़ना चाहते हैं। यह आपकी पढ़ाई, खेल या आपके सपनों की नौकरी में उत्कृष्ट हो सकता है जिसे आप भविष्य में देखते हैं क्योंकि आप हर दिन परमेश्वर पर अधिक निर्भर होते हैं। आप इसे अपनी कक्षा या घर में अपनी निरंतर प्रार्थना और अनुस्मारक के रूप में लटका सकते हैं।

घर के लिए - अपने पड़ोस में पदचिह्न कैसे छोड़ें

इन मिशन विचारों में से कुछ के द्वारा बच्चों और उनके परिवारों को दूसरों के जीवन में एक सकारात्मक पदचिह्न छोड़ने के लिए आमंत्रित करें:

1. आज दस लोगों को देखकर मुस्कुराएं!
2. एक कार्ड लिखें और इसे किसी ऐसे व्यक्ति को भेजें जिसे कुछ प्रोत्साहन की आवश्यकता हो।
3. जलवायु परिवर्तन: किसी ऐसे तरीके के बारे में सोचें जिससे आज आप ऊर्जा बचा सकते हैं।
4. बांटने के लिए कुछ केक या बिस्कुट बनाएं।
5. आज अपने किसी पड़ोसी को कुछ कामों में मदद करने का प्रस्ताव दें।
6. रात के खाने के लिए किसी को आमंत्रित करें।

ये विचार *https://40acts.org.uk/wp-content/uploads/2020/01/40-Family-Wallchart-2020-v2.pdf*. से लिए गए हैं। कृपया परिवारों के लिए कई अन्य मिशन विचारों के साथ पूर्ण वॉलचार्ट के लिए वेबसाइट पर जा

पारिवारिक आराधना

For families all ages

प्रिय परिवारों और सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों,

इस दस्तावेज़ को खोलने के लिए और अपने परिवार के सदस्यों या अन्य लोगों के साथ जिनके साथ आप जीवन सम्बन्धित है, विश्वास साझा करने की आपकी इच्छा के लिए धन्यवाद। ये पारिवारिक आराधना आपके अपने घर-परिवार के भीतर या अंतर-पीढ़ी के छोटे समूहों में उपयोग करने के लिए हैं। जैसा कि सामग्री से पता चलता है, आप इन प्रार्थनाओं का उपयोग बच्चों और युवाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के सप्ताहांत के दौरान कर सकते हैं, लेकिन आप इसका उपयोग किसी अन्य मौके पर भी बेझिझक हो कर सकते हैं जो आपकी स्थिति के अनुकूल हो।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप आशीषित होंगे, और मसीह के साथ और एक-दूसरे के साथ आपका संबंध गहरा होगा और आपके आसपास के लोगों के लिए परमेश्वर आपके हृदय को और अधिक खोलेगा।

शुक्रवार | पहचान

ठहरें और प्रार्थना

हे पिता, तेरा वचन मेरे पांव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए उजियाला हो।
हे पवित्र आत्मा, काश तेरी साँसे हम पर उंडेली जाएं, ताकि हम में जीवन हो और हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें।
हे प्रभु यीशु, काश कि हम प्रत्येक कार्य में जो हम करते और कहते हैं तेरे नक्शेकदम पर चल सकें।
आमीन।

जीवित वचन

'तुम उस वृक्ष के समान हो, जो बहते, जल की शीतल धाराओं में लगाया गया हो जो कभी नहीं सूखतीं। तुम्हारा फल ठीक समय पर पकता है; तुम्हारी पत्तियाँ गर्मियों की धूप में कभी मुरझाती या मुड़ती नहीं हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम क्या करते हैं, तुम समृद्ध होते जाते हो
(भजन संहिता 1:3 VOICE अनुवाद)।

आराधना

जब हम इस आराधना को लिखते हैं, दुनिया धीरे-धीरे एक डरावने समय, COVID-19 महामारी की वजह से दूर होती जा रही है। महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण हमें सामाजिक दूरी, यात्रा प्रतिबंधों और लॉकडाउन के माध्यम से अपनी गतिविधियों को कम करना पड़ा। इसका अर्थ यह था कि हम एक दूसरे के साथ उद्धार के सुसमाचार को उन तरीकों से साझा नहीं कर सकते थे जिन्हें हम जानते थे। यह हमारे लिए चुनौतीपूर्ण था कि हम किस तरह अन्य लोगों के जीवन में एक पहचान बनाने के लिए नए तरीकों की खोज करें और सम्पूर्ण मानवजाति के लिए उद्धार, शांति और खुशी लाने वाले शुभ संदेश को साझा करें (यशायाह 52:7)।

बाइबल एक ऐसे पेड़ के रूपक का उपयोग करती है जो पानी में लगाया गया है, यह एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जिसकी जड़ें परमेश्वर के वचन में मज़बूत हैं। शाम से भोर तक - यह ही उसके ध्यान का केंद्र बिंदु है। उसे परमेश्वर के उन वचनों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोचसमझकर चुना गया है जो जीवन और प्रकाश लाते हैं और वह उन लोगों की सुनने से इनकार करता है जो न्याय, कटाक्ष और झूठ से भरे होते हैं।

यहां एक पेड़ के बारे में कुछ मजेदार तथ्य दिए गए हैं। और शायद आप खुद भी कुछ और ढूंढ सकते हैं!

- पेड़ एक बड़ा पौधा होता है जो कई वर्षों तक जीवित रह सकता है।
- एक पेड़ का एक तना होता है।
- तना शाखाओं और पत्तियों को सहारा देता है।
- पेड़ अपनी जड़ों के कारण खड़ा रहता है जो जमीन के नीचे छिपी होती हैं।
- जड़ें पेड़ को बढ़ने के लिए आवश्यक पानी और पोषक तत्वों का परिवहन करके पेड़ को सहारा देती हैं।

एक पेड़ अपनी ताकत और स्वास्थ्य के लिए अपनी जड़ों पर निर्भर करता है। और उस पर लगने वाले फलों से आप देख सकते हैं कि यह कितना स्वस्थ और मजबूत है। हमारे साथ भी ऐसा ही है। हम जो करते हैं और जो कहते हैं, उससे यीशु के साथ हमारे संबंध की मजबूती और स्वास्थ्य दिखाई देता है। वही हमारा फल है। जब यीशु के साथ हमारा रिश्ता मजबूत होता है, तो हम आसानी से डगमगाते नहीं, ठीक उस पेड़ की मानिन्द जिसकी जड़ें मज़बूत हैं। हमारे विश्वास की जड़ें यीशु में गहराई तक बढ़ती हैं, ठीक वैसे ही जैसे पौलुस कुलुस्सियों को लिखे अपने पत्र में कहता है:

'अब जब आपने उस अभिषिक्त, यीशु प्रभु का अपने जीवन में स्वागत किया है, तो उसके साथ यात्रा करना जारी रखें और उसे अपने जीवन को आकार देने दें। उसी में आपकी जड़ें गहराई तक बढ़ें, और वह आपको दृढ़ नींव पर बनाए **(कुलुस्सियों 2:6-7 *VOICE* अनुवाद) ।**

कुलुस्से में लोगों के लिए पौलुस की सलाह है: सुनिश्चित करें कि आप प्रत्येक दिन परमेश्वर को स्थान देते हैं। आप फले-फूलेंगे: आपका विश्वास मजबूत होगा, आपका प्यार बढ़ेगा और आपका आनंद बढ़ेगा। जब हम परमेश्वर की उपस्थिति में होते हैं, तो हमें डर नहीं लगता। हम वह सब प्राप्त करेंगे जो परमेश्वर ने हमारे लिए रखा है। आँधियाँ आएँगी और जाएँगी, लेकिन हम क़ायम रहेंगे। परमेश्वर का असल चरित्र हम में प्रकट होगा।

यूहन्ना 15:5 में, यीशु ने कहा: '***मैं दाखलता हूँ: तुम डालियाँ हो। जो मुझ में बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।***'यीशु के कहने का अर्थ है कि अगर हम उससे जुड़े रहते हैं, तो हम फलवन्त होते हैं।

हम जो फल पैदा करते हैं, वे हमारे पद्चिन्ह हैं; यह वह अंतर है जो हम इस दुनिया में लाते हैं। हमारा फल अन्य लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

बातचीत के लिए गतिविधि तथा प्रश्न

- अगले पृष्ठ पर पेड़ को देखें।
- आप कब खुद को परमेश्वर के करीब महसूस करते हैं? अपने उत्तर तने के पास लिखें।
- आप अपने घर, पड़ोस या शहर में कैसे बदलाव ला सकते हैं? अपने उत्तर फल के पास लिखो।
- उत्तरों के बारे में आपस में बातचीत करें।
- एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें।

अपनी पहचान बनाएं, यह जानते हुए कि यीशु आपके रास्ते में हर कदम पर होगा!

परिवार के लिए चुनौती

एक परिवार के रूप में, आपको एक पेड़ लगाने की चुनौती दी जाती है। पेड़ की देखभाल परिवार द्वारा की जानी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसे बढ़ने के लिए नियमित रूप से पानी दिया जाए और पोषित किया जाए। पेड़ मसीह में आपकी पहचान और दुनिया में आप जो अंतर ला सकते हैं, उसकी याद दिलाता है क्योंकि आपकी जड़ें उसके प्रेम में हैं।

प्रार्थना

हे पिता, अति दयालु और प्रेमी। हम आपके अनुग्रह के सिंहासन के सम्मुख यह जानकर आते हैं कि आप हमसे प्रेम करते हैं, और यह कि आपने हमें कभी न छोड़ने और न त्यागने का वचन दिया है।
हे पवित्र आत्मा, जीवन की इस यात्रा के दौरान आप हमारा मार्गदर्शन करें, ताकि हम एक ऐसा जीवन जिएं जिससे आपको हम पर गर्व हो क्योंकि हम इस धरती पर अपने पदचिह्न छोड़ते हैं।
हे प्रभु यीशु, हमारे कार्य और कथन के माध्यम से आप हमें आपके नाम और आपकी शिक्षाओं की घोषणा करने में सहायता करें।
आमीन।

शनिवार | दिशानिर्देश

ठहरें और प्रार्थना करें

हे पिता, तेरा वचन मेरे पांव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए उजियाला हो।
हे पवित्र आत्मा, काश तेरी साँसे हम पर उंडेली जाएं, ताकि हम में जीवन हो और हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें।
हे प्रभु यीशु, काश कि हम प्रत्येक कार्य में जो हम करते और कहते हैं तेरे नक्शेकदम पर चल सकें।
आमीन।

जीवित वचन

'अपना मार्ग सनातन को समर्पित करो; उसे आपको निर्देशित करने दो। अपना भरोसा उस पर रखो, और वह तेरे साथ साथ चलेगा **(भजन संहिता 37:5 *VOICE* अनुवाद)।**

क्या आपने कभी कम्पास देखा या इस्तेमाल किया है? यह एक ऐसा यंत्र है जिसकी चार मुख्य दिशाएँ होती हैं: उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम। यह दिशा के लिए प्रयोग किया जाता है और यदि आप खो जाते हैं तो आपको अपना रास्ता खोजने में मदद मिलेगी। क्या आपने कभी एक जीपीएस का पालन सिर्फ इसलिए किया है कि आप एक डेड- एन्ड पर पहुँच जाएं? शायद आपने नक्शे को ठीक से देखे बिना ही अपनी यात्रा शुरू कर दी होगी। कम्पास या गूगल मैप्स की तुलना में परमेश्वर बहुत अधिक विश्वसनीय है। यदि हम एक पता टाइप करते हैं और पहले उससे पूछे बिना ही सड़क पर निकल पड़ते हैं, तो हो सकता है कि हम यह सोचते रह जाएं कि हमने रास्ता ठीक से सुनिश्चित करने के लिए मार्ग की जाँच की थी कि यह गंतव्य की ओर जाता है या नहीं।

शमूएल की दूसरी पुस्तक में हम देखते हैं, कि दाऊद को यहूदा के राजा के रूप में अभिषेक किया जाता है। दाऊद अपने अभिषेक से पहले ही जानता था कि वह राजा बनने जा रहा है, और हाल ही में शाऊल की मृत्यु के साथ, सिंहासन लेने का यह सही समय लग रहा था। वह तैयार था। और उसने परमेश्वर से पूछा कि उसे आगे क्या करना चाहिए:

"इसके बाद दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं यहूदा प्रदेश के किसी नगर में जाऊँ?" यहोवा ने उससे कहा, "हाँ, जा।" दाऊद ने फिर पूछा, "किस नगर में जाऊँ?" उसने कहा, "हेब्रोन में।" (2 शमूएल 2:1)।
दाऊद को अपनी दिशा का बहुत अच्छा अंदाजा था, लेकिन वह परमेश्वर और परमेश्वर के मार्गदर्शन की आवश्यकता के बारे में बहुत जागरूक था। इसलिए उसने परमेश्वर से दो बार जाँच की, यह देखने के लिए कि क्या यहूदा के किसी नगर में जाना एक अच्छा विचार होगा। परमेश्वर ने इस दिशा की पुष्टि की और यहाँ तक कि दाऊद को एक बहुत विस्तृत गंतव्य भी दिया: हेब्रोन।
कभी-कभी आपके पास अपनी पसंद चुनने का एक अच्छा विचार हो सकता है। मैं कॉलेज कहाँ जाऊँ? मैं दोस्तों के किस समूह के साथ संबंध रखना चाहता हूँ? दाऊद की तरह, आपके द्वारा लिए गए प्रत्येक निर्णय या आपके द्वारा उठाए जाने वाले प्रत्येक कदम में परमेश्वर को शामिल करें। और याद रखें: आप परमेश्वर की सन्तान हैं, परमेश्वर द्वारा प्रेम किये गए हैं और अब परमेश्वर की उपस्थिति में रहते हैं। देखिए पौलुस ने इस बारे में क्या लिखा:
'मसीह का चमकदार प्रकाश आपके मार्ग को समतल बनाता है। तो अब और कोई ठोकर नहीं है। इसे साथ ले कर तैयार रहें! अच्छाई, भलाई, सच्चाई- ये दिन के उजाले के समय के लिए उपयुक्त कार्य हैं। पता लगाओ कि मसीह को क्या प्रसन्न करेगा, और फिर उसे करो' (इफिसियों 5:9-10 MSG अनुवाद)।
जब हम परमेश्वर से जुड़े रहेंगे तो हम - कदम दर कदम - अपने जीवन के लिए परमेश्वर की दिशा को समझेंगे। परमेश्वर की उपस्थिति एक प्रकाश के समान है जो हमारे मार्ग को रौशन करती है। परमेश्वर के साथ मिलकर हम निश्चिंत हो सकते हैं कि हम सही रास्ते पर जा रहे हैं, भले ही यह हमारे लिए मायने न रखता हो।
परमेश्वर हमसे बहुत बड़ा है। केवल परमेश्वर ही हमारे जीवन की बड़ी तस्वीर को देखता है। जब आप परमेश्वर के साथ चलते हैं, तो आप उसकी दिशा में भरोसा रख सकते हैं, भले ही वह आपकी समझ से परे हो।

गतिविधि

आवश्यक संसाधन

- कपड़ा (पुराना कपड़ा भी चलेगा) या कागज़
- डोरी
- कैंची
- मार्कर/पेन
- गोंद/स्टेपलर/खूंटे

प्रत्येक व्यक्ति बन्टिंग का अपना त्रिकोण बना सकता है। एक तरफ अपनी पसंदीदा आयत लिखें और दूसरी तरफ नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें:

- मेरा क्या विश्वास है कि परमेश्वर मेरे जीवन की अगुवाई किस तरफ कर रहा है?
- भविष्य के लिए मेरी क्या इच्छा है?

सभी बन्टिंग त्रिकोणों को संयोजित करने के लिए किसी को ढूंढें और उन्हें अपने घर/चर्च में लटका दें जहां अन्य लोग इसके लिए प्रार्थना कर सकें।

प्रार्थना

हे पिता, अति दयालु और प्रेमी। हम आपके अनुग्रह के सिंहासन के सम्मुख यह जानकर आते हैं कि आप हमसे प्रेम करते हैं, और यह कि आपने हमें कभी न छोड़ने और न त्यागने का वचन दिया है।
हे पवित्र आत्मा, जीवन की इस यात्रा के दौरान आप हमारा मार्गदर्शन करें, ताकि हम एक ऐसा जीवन जिएं जिससे आपको हम पर गर्व हो क्योंकि हम इस धरती पर अपने पदचिह्न छोड़ते हैं।
हे प्रभु यीशु, हमारे कार्य और कथन के माध्यम से आप हमें आपके नाम और आपकी शिक्षाओं की घोषणा करने में सहायता करें।
आमीन।

रविवार | यात्रा

ठहरें और प्रार्थना करें

हे पिता, तेरा वचन मेरे पांव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए उजियाला हो।
हे पवित्र आत्मा, काश तेरी साँसे हम पर उंडेली जाएं, ताकि हम में जीवन हो और हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें।
हे प्रभु यीशु, काश कि हम प्रत्येक कार्य में जो हम करते और कहते हैं तेरे नक्शेकदम पर चल सकें।
आमीन।

जीवित वचन

'और जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उनके साथ हो लिया (लूका 24:15)।

जीवन रोमांच से भरी एक यात्रा की तरह हो सकता है। मुझे अपने प्राथमिक स्कूल की ट्रिप याद है जब हम चिड़ियाघर गए थे। मजेदार बात यह थी कि एक गुडी बैग लेना और अपने दोस्तों के साथ बस में मस्ती करना।

एक अद्भुत शब्द है जो लंबे समय से चलन में है: 'प्रत्येक काल में महान'। कोई व्यक्ति यह उपाधि न केवल अपने काम में अच्छा होने से, बल्कि महान होने से, हर किसी से या अपने आस-पास की किसी भी चीज़ से आगे निकल कर अर्जित करता है; एक एथलीट से एक ऑटोमोबाइल तक। इसे आमतौर पर GOAT के रूप में संक्षिप्त किया जाता है। 'जीसस क्राइस्ट सुपरस्टार' अब तक के सबसे महान संगीत में से एक है, अल्बर्ट आइंस्टीन सबसे महान वैज्ञानिक, लियोनेल मेसी सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ी और नेल्सन मंडेला अब तक के सबसे महान नेताओं में से एक हैं।

जो चीज़ किसी को सर्वकालिक महान बनाती है वह सरल है। उसे अपने जीवन की यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से उस प्रतिभा या कौशल में जो परमेश्वर ने उन्हें दी है। यह कहना उचित है कि सभी समयों में सबसे बड़ा (बीते 2,000 सालों के समय में) यीशु मसीह है। हम जीवन में उसकी यात्रा को देखते हैं: चरनी में पैदा हुआ, इस संसार में यह दर्शाने के लिए बढ़ता गया कि सबसे बड़ा प्रेम वे कहाँ प्राप्त कर सकते हैं, और यह दर्शाया कि हम सभी परमेश्वर की नजरों में महत्वपूर्ण हैं।

आज, जैसा कि हम बाइबिल में लूका की इस आयत को देखते हैं, हम याद करते हैं कि यीशु चाहता है कि वह प्रतिदिन हमारे साथ चले, चाहे वह रास्ता कैसा भी क्यों न दिखाई देता हो जिस पर हम चल रहे हैं। कुछ चुनौतियों के कारण, जो आपके सामने हैं, इस समय आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। आप कुछ घटनाओं या रोमांच को लेकर बहुत उत्साहित हो सकते हैं जो आप शुरू करने वाले हैं।

आपकी यात्रा चाहे कैसी भी दिखाई देती हो: यीशु आपके साथ चल रहा होगा। अब तक का सबसे महान, वह जो मृत्यु से भी अधिक शक्तिशाली है, वह आपका साथ देगा। आप अकेले नहीं हैं!

*यह जुलाई पोंस हैं। वह **19** साल की हैं। वह पेरू से हैं और इंटरनेशनल चिल्ड्रन एंड यूथ एडवाइजरी ग्रुप की सदस्य हैं। वह यीशु के साथ अपने संबंध को निम्नलिखित तरीके से बयान करती हैं:*

'वह हमेशा मेरे साथ रहा है और उसने मुझे सबसे सरल और सबसे सुंदर तरीके से आशीष दी है। मैं देर रात को जब कॉलेज से सुरक्षित और सकुशल घर पहुँचती हूँ, जब मैं जागती हूं और पक्षियों को गाते हुए सुनती हूं, या जब वह मुझे अपने परिवार को वीडियो कॉल करने का अवसर देता है, तो उसे देखती हूँ। मेरा सपना है कि मैं अन्य युवाओं को परमेश्वर के करीब आने में मदद करूं और यह समझने में कि परमेश्वर के साथ संबंध रखने का मतलब है कि बेहतर से बेहतरीन मित्र आपके साथ खड़ा है।'

इस पर विचार - विमर्श करें

आप कब महसूस करते हैं कि यीशु आपके साथ है?
जब आप मुश्किल समय से गुज़रे तो किसने आपकी मदद की या आपसे संपर्क किया? उसके लिए एक कार्ड लिखें!

प्रार्थना

हे पिता, अति दयालु और प्रेमी। हम आपके अनुग्रह के सिंहासन के सम्मुख यह जानकर आते हैं कि आप हमसे प्रेम करते हैं, और यह कि आपने हमें कभी न छोड़ने और न त्यागने का वचन दिया है।

हे पवित्र आत्मा, जीवन की इस यात्रा के दौरान आप हमारा मार्गदर्शन करें, ताकि हम एक ऐसा जीवन जिएं जिससे आपको हम पर गर्व हो क्योंकि हम इस धरती पर अपने पदचिह्न छोड़ते हैं।

हे प्रभु यीशु, हमारे कार्य और कथन के माध्यम से आप हमें आपके नाम और आपकी शिक्षाओं की घोषणा करने में सहायता करें।

आमीन।

प्रार्थना धमाके

किशोरों एवं नौजवानों के लिए

इस दस्तावेज़ को खोलने के लिए धन्यवाद! ऐसा करके आप व्यक्त कर रहे हैं कि प्रार्थना महत्वपूर्ण है! हमने बच्चों और युवाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के दौरान आपके प्रार्थना समय में आपकी मदद करने के लिए चार निर्देशिकाएँ बनाई हैं। आपको ये सब एक साथ नहीं करना है। जैसे जैसे आप अपनी बाइबिल खोलते हैं और प्रार्थना करना शुरू करते हैं, समय लें और पवित्र आत्मा को आपका मार्गदर्शन करने दें ।

प्रत्येक सत्र में लगभग 15 मिनट लगेंगे और इसमें बाइबिल अध्ययन, एक छोटी आराधना और एक प्रार्थना मार्गदर्शिका भी शामिल होगी।

विषय इस प्रकार हैं:

1. परमेश्वर में
2. वास्तविक बनें
3. भीड़ से अलग
4. अपनी छाप छोड़ें

ये सामग्री किशोरों और युवाओं के लिए तैयार की गई है। हालाँकि, भले ही आप थोड़े बड़े भी हों, कृपया इन संसाधनों का बेझिझक उपयोग करें।

प्रार्थना धमाका 1 | परमेश्वर में

'मेरे पैरों को अपने वचन के मार्ग पर स्थिर कर' (भजन संहिता 119:133)

बच्चों और युवाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस 2023 की थीम 'पदचिन्ह' है। हम उन चिह्नों को देखते हैं जो हम पीछे छोड़ जाते हैं, परमेश्वर का हमारे जीवन में क्या प्रभाव है और परमेश्वर का प्रभाव हमारे जीवन या हमारे आसपास के लोगों के जीवन के माध्यम से हो सकता है। हम प्रार्थना के इन पलों की शुरुआत भजन संहिता 119:133 पर चिंतन और मनन करने के द्वारा करते हैं।

आइए कुछ समय लें और बाइबिल की इस आयत के विभिन्न अनुवादों पर विचार करें। प्रत्येक संस्करण हमें राजा दाऊद के मूल लेखन के प्रति गहरी अंतर्दृष्टि और सराहना प्रदान करता है। जैसा कि हम विभिन्न अनुवादों को देखते हैं, मैं आपको पवित्र आत्मा के प्रति समर्पण करने और उसे अपने हृदय में अपनी रोशनी चमकाने के लिए स्थान देने के लिए आमंत्रित करता हूं। ठहरने के लिए स्वतंत्र महसूस करें और जो कुछ आत्मा आप पर प्रकट करता है उसके लिए स्थान दें।

Psalms 119:133a

KJV	King James Version	'Order my steps in thy word'
NKJV	New King James Version	'Direct my steps by your word'
NASB	New American Standard Bible	'Establish my footsteps in your word'
NIV	New International Version	'Direct my footsteps in the way of your word'
AMP	Amplified Bible	'Establish my footsteps in the way of your word'

शब्द 'आदेश कर' (order), 'निर्देशित कर' (direct) और 'स्थापित कर' (establish) अलग-अलग अनुवादों में बार-बार सामने आते हैं। आदेश, निर्देशित और स्थापित। जब आप किसी रेस्टोरेंट में खाना ऑर्डर करते हैं, तो आपके मन में एक खास लक्ष्य होता है। आप कुछ हल्का या कुछ पेट भरने के बारे में सोच रहे होते हैं। आपका निर्णय इस पर आधारित हो सकता है कि कौनसा भोजन कैसा दिखाई देता है, स्वाद कैसा है, खुशबू कैसी है या यह आपको कैसा महसूस कराएगा। जो भी हो, आप वही ऑर्डर करते हैं जो आपका दिल चाहता है। परमेश्वर की अपनी रचना के लिए एक विशेष इच्छा है, और वह अपनी ईश्वरीय योजना को पूरा करने के लिए हमारे कदमों को आदेश देता है। वह अपनी इच्छा और उद्देश्य के अनुसार हमारे कदमों को निर्देशित और स्थापित करता है। प्रेरित पौलुस हमें 1 कुरिन्थियों 12 में याद दिलाता है कि हम सभी मसीह की देह के अंग हैं और हमें बहुत विशिष्ट भूमिकाएँ निभानी हैं। इस शरीर का कोई एक अंग दूसरे से अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। जब एक अंग ठीक नहीं होता तो पूरा शरीर पीड़ित होता है। परमेश्वर ने विशेष कार्यों को ध्यान में रखते हुए हम सभी को हमारी रचना के समय स्थापित किया, आदेश दिया और निर्देशित किया और हम सब उसकी महिमा के लिए मिलकर काम करते हैं।

आप शायद सोच रहे होंगे कि परमेश्वर ने आपके जीवन के लिए क्या आदेश दिया है। आप मसीह के शरीर के कौन से अंग हैं? यह निर्धारित करने के कई तरीके हैं कि परमेश्वर आपके बारे में क्या कहता है कि आप कौन हैं। आइए निम्नलिखित अभ्यास का प्रयास करें और देखें कि क्या होता है। पवित्र आत्मा को स्थान देना याद रखें जब वह आपका मार्गदर्शन करता हो।

मैं कौन हूँ?

अपने जीवन में पांच लोगों के बारे में सोचें। वे परिवार, दोस्त, सहकर्मी या स्कूल के साथी हो सकते हैं। यदि आप उनसे तीन शब्दों में आपका वर्णन करने के लिए कहें तो वे क्या कहेंगे? कुछ समय लें और नोट करें कि वे क्या कहेंगे।

Name / Picture	What would they say?

उन्होंने अभी जो कहा उसके बारे में आप क्या सोचते हैं? क्या उन्होंने आपका वर्णन करने के लिए इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया? यह आपको कैसा महसूस कराता है?

यदि आप उन शब्दों की गहराई में देखते हैं जिनसे वे आपका वर्णन करते हैं, तो एक साझा विषय सामने आएगा। देखभालकर्ता, रणनीतिकार, रचनात्मक, शांतिदूत आदि जैसे शब्द। इन विषयों के मौजूद होने का एक ईश्वरीय कारण है। इसी तरह हम अपने आसपास के लोगों द्वारा देखे जाते हैं और यह उस भूमिका को प्रकट करता है जिसे हम मसीह की देह में होते हुए निभाते हैं, जो प्रभु के आदेशानुसार है। ठीक वैसे ही जिस तरह एक आँख कोई और काम नहीं कर सकती लेकिन देख सकती है और एक नाक कुछ और नहीं

कर सकती लेकिन सूंघ सकती है, यह हमारे स्वभाव में है कि हम मसीह के शरीर में अपनी भूमिका के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करें। आइए यहां ठहरें और इसे परमेश्वर के नज़दीक ले जाएं।

प्रार्थना

परमेश्वर, जैसा कि तूने मेरे जीवन के माध्यम से मेरे लिए जो कुछ आदेश दिया है, उस पर ध्यान करते हुए, मैं अपने बारे में _____ खोज रहा हूं। यह सुनने के लिए मेरे कान खोल कि तू कैसे चाहता है कि मैं तेरी इस दुनिया में रहूं, जैसा कि तूने आदेश दिया है। प्रभु, मैं अब अपने आप को तेरे अनुरूप ढालता हूँ। आमीन।

अपने दिल, दिमाग और आत्मा को खोलें और ज्ञान प्राप्त करें क्योंकि पवित्र आत्मा आपसे बात कर रहा है। वह क्या कह रहा है? आप कौन हैं?

Bible verse 1

'For we are God's handwork, created in Christ Jesus to do good works. which God prepared in advance for us to do'

Ephesians 2:10 (NIV)

जिस तरह सूरज खुद को गर्म करने के लिए नहीं उदय होता और नदी खुद की प्यास बुझाने के लिए नहीं बहती है, उसी तरह परमेश्वर ने हमें एक खास कारण से बनाया है। उसने हमें वैसे ही बनाया है जैसे हम हैं और वह हमें उस दिशा में ले जाता है जहाँ वह चाहता है कि हम उसके उद्देश्य को पूरा करें। जहां वह हमें स्थापित करता है, वहां अनुग्रह, प्रावधान और शांति है। यीशु हमें याद दिलाता है कि:

Bible verse 2

'I am the vine, you are the branches. If you remain in me and I in you, you will bear much fruit; apart from me you can do nothing'

Ephesians 2:10 (NIV)

हमारी प्रतिभा, समय, संसाधन, सम्बन्ध, शिक्षा, अनुभव और पद हमारे जीवन के लिए ईंधन हैं। कभी-कभी ये बातें हमें परमेश्वर के आदेश के बाहर स्वयं को परिभाषित करने का कारण बन सकती हैं। आइए हम आज मसीह में बने रहने का चुनाव करें और वह बनें जो वह कहता है कि हम हैं। तभी हम उन अनन्त लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं जिनके लिए हमें बनाया गया है।

मैं आपको आमंत्रित करता हूं कि आप अगले कुछ मिनट परमेश्वर के साथ तालमेल बिठाने में बिताएं और उससे अपने कदमों को निर्देशित करने के लिए कहें जैसे जैसे आप उसमें बने रहना जारी रखते हैं।

प्रार्थना

प्रभु, जब मैं सच्ची दाखलता से विमुख हो जाता हूँ तो मुझे खोजने के लिए धन्यवाद। मेरी मदद कर कि मैं तुझमे बना रहूं क्योंकि मैं वह बनने का प्रयास करता हूं जो तूने मुझे बनाया था। मैं तुझ में बना रहूँ और तू मुझ में बना रह जिससे मैं बहुत फल ला सकूँ। धन्यवाद प्रभु। आमीन।

प्रार्थना धमाका 2 | वास्तविक बनें

'मेरे पैरों को अपने वचन के मार्ग पर स्थिर कर' (भजन संहिता 119:133)

क्या आपके मन में कभी अपने बारे में ऐसे विचार आए हैं?

- 'मैं ज्यादा समझदार नहीं हूँ।'
- 'मैं काफी सुंदर नहीं हूँ।'
- 'मैं काफी मजबूत नहीं हूँ।'

इस दुनिया में बहुत प्रतिस्पर्धा है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है, जैसे कि मज़ेदार टेलीविज़न कार्यक्रम जहां लोग एक मामूली पुरस्कार या दान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, या जब आप अपने दोस्तों के साथ खेल खेलते हैं। लेकिन अस्वास्थ्यकर प्रतिस्पर्धा भी है; जब आप हर चीज में, काम पर, स्कूल आदि में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दबाव महसूस करते हैं।

जब मैं फेसबुक या इंस्टाग्राम देखता हूं, तो मैं उन लोगों को देखता हूं जिनके बाल बेहतर हैं, अपने जीवन में आगे हैं और मुझसे अधिक विदेशी स्थानों का दौरा किया है। उन पोस्टों को देखकर, उनके साथ खुद की तुलना करने के लिए बहुत ही आज़माइश आती है: 'काश मैं उन की जगह होता!'

प्रतिस्पर्धा और तुलना से चिंता और तनाव पैदा हो सकता है। हम उन लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा और तुलना करते हैं जो हमसे तेज, होशियार या मजबूत हैं। अंतिम परिणाम: हम अपने बारे में बुरा महसूस करते हैं और सोचते हैं: 'मैं काफी नहीं हूं।'

आज हम आपके साथ आनन्द मनाते हैं! आप अपने आप में केवल एक ही है, भले ही आप जुड़वां हों। हम सभी 'शानदार तरीके से', विशेष और अद्वितीय हैं। कुछ लोगों की नीली आंखें होती हैं, कुछ की भूरी आंखें होती हैं, कुछ लोग ऐसा कर सकते हैं, कुछ लोग वैसा कर सकते हैं, कुछ लोग दाएं हाथ के होते हैं, कुछ लोग बाएं हाथ के होते हैं। और क्या आपको पता है? आप परमेश्वर की उत्कृष्ट कृति हैं! ***'क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया' (इफिसियों 2:10)।***

आप एक उत्कृष्ट कृति हैं और परमेश्वर ने हमारे लिए अच्छी चीजें तैयार की हैं। तो, परमेश्वर के पास आपके लिए एक योजना है! पौलुस यह समझाने की कोशिश करता है कि जब आप मसीह यीशु में नए बनते हैं तो इसका क्या मतलब होता है:

आप एक उत्कृष्ट कृति हैं और परमेश्वर ने हमारे लिए अच्छी चीजें तैयार की हैं। तो, परमेश्वर के पास आपके लिए एक योजना है! पौलुस यह समझाने की कोशिश करता है कि जब आप मसीह यीशु में नए बनते हैं तो इसका क्या मतलब होता है:

'इसलिये परमेश्वर के चुने हुओं के समान जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करुणा, और भलाई, और दीनता, और नम्रता, और सहनशीलता धारण करो, और यदि किसी को किसी पर दोष देने का कोई कारण हो, तो एक दूसरे की सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो; जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा

किए, वैसे ही तुम भी करो। इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का कटिबन्ध है बाँध लो।' (कुलुस्सियों 3:12-14)।

यह ऐसा है जैसे परमेश्वर ने आपके वस्त्र बदल दिए हों। अब से, तुम करुणा के मोज़े, दया की कमीज़, नम्रता की पतलून, शक्ति की पेटी और अनुशासन की जैकेट पहनो। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण: आपका मूल (अंडरवियर!) प्रेम है, हर समय! वही प्रेम जो यीशु को इस संसार में लाया, लोगों को चंगा किया और मृत्यु पर विजय प्राप्त की, वही प्रेम अब आपकी रगों में परमेश्वर की सन्तान के रूप में बह रहा है। इस पहचान को अपनाएं और आप खुद के सर्वश्रेष्ठ संस्करण बन जाएंगे!

'चूंकि यह इस तरह का जीवन है जिसे हमने चुना है, आत्मा का जीवन, आइए हम यह सुनिश्चित करें कि हम इसे न केवल अपने दिमाग में एक विचार या अपने दिल में एक भावना के रूप में रखें, बल्कि इसके निहितार्थों को अपने जीवन में हर विस्तार से समझें। इसका मतलब है कि हम अपनी तुलना एक दूसरे से नहीं करेंगे जैसे कि हम में से एक बेहतर था और दूसरा बुरा। हमारे पास अपने जीवन के साथ करने के लिए कहीं अधिक दिलचस्प चीजें हैं। हम में से प्रत्येक एक मूल है' (गलातियों 5:25-26 एमएसजी अनुवाद)।

कोई और बनने की कोशिश न करें; आप अपने स्वयं के वास्तविक बनें! इसका मतलब यह नहीं है कि आप सुधार या विकास नहीं कर सकते। विकास परमेश्वर की योजना का हिस्सा है, और हम निश्चित रूप से दूसरों से सीख सकते हैं और उत्कृष्ट कार्यों और व्यवहारों का अनुकरण कर सकते हैं। लेकिन दूसरों से अपनी तुलना करने में सावधानी बरतें। आप जो हैं उससे संतुष्ट रहें। हम में से हर एक को उसके स्वरूप में उसके उद्देश्य के लिए सिद्ध बनाया गया है। परमेश्वर ने हमें जैसा बनाना चाहा था वैसा बनकर, हम अपना लक्ष्य पा सकते हैं!

प्रार्थना विचार

मैं जो कुछ भी हूं परमेश्वर के अनुग्रह से हूं। मैं वह बनूंगा जो परमेश्वर ने मुझे बनाया है और अपने लिए उसकी योजना को पूरा करूंगा।

प्रार्थना धमाका 3 | भीड़ से अलग!

'इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो' (रोमियों 12: 2)।

आपको प्राप्त होने वाली सबसे बड़ी तारीफों में से एक यह बताया जाना है कि आप अलग हैं। यह उन क्षणों के विपरीत लग सकता है जब आप लोगों के एक निश्चित समूह से संबंधित होना चाहते हैं और ठीक वैसा ही बनने की कोशिश कर रहे होते हैं। या जब आप दूसरों की तरह स्मार्ट, कूल, बुद्धिमान, कुशल और प्रतिभाशाली बनना चाहते हैं। पौलुस हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर के एक संतान होने के नाते, हम अपने विचारों को नवीनीकृत करके भीतर से बाहर परिवर्तन के लिए परमेश्वर की आत्मा पर भरोसा कर सकते हैं। परिणामस्वरूप, हम यह समझने में सक्षम होंगे कि परमेश्वर की इच्छा क्या है और परमेश्वर को अच्छा, मनभावना और सिद्ध क्या लगता है।
पौलुस बताता है कि इसका क्या अर्थ है:

'पवित्र लोगों को जो कुछ आवश्यक हो, उसमें उनकी सहायता करो; पहुनाई करने में लगे रहो। अपने सतानेवालों को आशीष दो; आशीष दो स्राप न दो। आनन्द करनेवालों के साथ आनन्द करो, और रोनेवालों के साथ रोओ। आपस में एक सा मन रखो; अभिमानी न हो, परन्तु दीनों के साथ संगति रखो; अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न हो' (रोमियों 12:13-16)।

क्या आप देखते हैं कि आपको क्या अलग बनाता है? यह आपकी सोच है! यह आपके बारे में नहीं है, बल्कि दूसरों के बारे में है! परमेश्वर की आत्मा आपमें एक ऐसा प्रेम विकसित करेगी जो आपकी समझ से परे है। यह आपको एक विशेष तरीके से खुद से प्रेम करने और दूसरों से प्रेम करने और उनकी सेवा करने में सक्षम बनाएगा। इस तरह आप भीड़ से अलग दिखते हैं!

आप सबसे अलग भी हैं क्योंकि परमेश्वर ने आपको अद्वितीय होने के लिए बनाया है। इस दुनिया में कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है जो आपके जैसा है। आप अपने आप में एक ही हैं! आपकी विशिष्टता परमेश्वर से आती है। याद रखें कि पौलुस ने गलातियों को लिखी अपनी पत्री में इस बारे में क्या कहा है :

'इसका मतलब है कि हम अपनी तुलना एक दूसरे से नहीं करेंगे जैसे कि हम में से एक बेहतर था और दूसरा बुरा। हमारे पास अपने जीवन के साथ करने के लिए कहीं अधिक दिलचस्प चीजें हैं। हम में से प्रत्येक एक मूल है' (गलातियों 5:25-26 एमएसजी अनुवाद)।

आपके लिए भीड़ से अलग दिखना क्यों ज़रूरी है?
हम आपको अपनी विशिष्टता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं। किसी और की नकल न बनें। मूडी, स्वार्थी, अहंकारी व्यक्ति न बनें। अपनी करुणा और दया के कारण भीड़ से अलग बनें !
भीड़ से अलग होकर, आप अपनी अद्वितीयता को बढ़ाते हैं और आप परमेश्वर की महिमा करते हैं। आप दूसरों को यीशु की ओर आने का संकेत देते हैं। आप उन्हें आशा, आनंद और पापों से मुक्ति के जीवन की ओर संकेत करते हैं। या संगीतमय दोगान के शब्दों की व्याख्या करने के लिए, कि मैरी मैरी अपने पैरों से बेड़ियों को हटा दें ताकि आप नृत्य कर सकें। वह नृत्य बनें जो दूसरों को नृत्य में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करे। इसी तरह परमेश्वर चाहता है कि जो आप हैं वही बनें।

आप किस प्रकार भीड़ से अलग दिख सकते हैं?
हम अपने आस-पास के लोगों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर सकते हैं, न कि ध्यान का केंद्र बनकर, बल्कि 'आत्मा की कार्रवाई के दिन-प्रतिदिन के फल' के माध्यम से। अपने आसपास के लोगों से प्रेम करके, किसी भी परिस्थिति में खुश रहना और शांति लाना। हम अपने चारों ओर अंधेरे में रहने वालों के लिए एक प्रकाश स्तंभ हैं। हम अलग खड़े हैं। असाधारण और अलौकिक तरीके से सामान्य चीजों को लगातार बड़े उत्साह के साथ करने का चुनाव करके आप भीड़ से अलग दिखाई देंगे। जोश और उत्साह संक्रामक हैं। जब आप जीवन के बारे में उत्साहित होते हैं तो लोग आपकी ओर आकर्षित होते हैं।

आप किस प्रकार भीड़ से अलग बने रहते हैं?
कभी-कभी किसी समूह का हिस्सा होने का अर्थ है उसके मूल्यों के अनुरूप होना। और कभी-कभी इसका मतलब यह होता है कि आपकी विशिष्टता दांव पर है। इसलिए, अपनी पसंद को परमेश्वर के वचन और उसके आत्मा की अगुवाई पर आधारित करें। अपने

आत्मिक परिवार और उन मित्रों से जुड़े रहें जिन पर आप भरोसा करते हैं और जो अपने जीवन में परमेश्वर की भलाई को दर्शाते हैं। तब निश्चय ही आप आप होंगे, परमेश्वर में, और भीड़ से अलग खड़े होंगे!

प्रार्थना क्रिया

आवश्यक सामग्री:

- कागज़
- कलम
- चमकीले रंग का पेंट
- पेंट ब्रश
- माचिस की तीलियाँ

कुछ ऐसा लिखिए जिसने आपको स्वयं का सर्वोत्तम संस्करण बनने से रोका हो और आपको इसके अनुरूप बनाया हो। यह कुछ ऐसा हो सकता है जिसे आप अपने दिल और आत्मा में ले कर चल रहे हैं, कोई पिछली घटना जिसने जीवन को देखने के आपके तरीके को बदल दिया हो, या कोई ऐसा अनुभव जिसने आपको पूरी तरह से बदल दिया और परमेश्वर के साथ आपकी यात्रा को असहनीय और कठिन बना दिया। इसे जलाएं (यदि आप अभी 18 वर्ष के नहीं हैं तो सुरक्षित रूप से और किसी की देखरेख में करें) और प्रार्थना करें कि परमेश्वर इसका बोझ उठा ले (भजन संहिता 55:22)।

माचिस की तीली को उस रंग से पेंट करें जो आपको सबसे अधिक आकर्षित करता है और इसे एक अनुस्मारक के रूप में रखें कि आपने अपना सारा बोझ प्रभु पर डाल दिया है ताकि आप अपनी यात्रा को हल्का और बोझ मुक्त कर सकें। फिर से शुरू करें, इस बार परमेश्वर को अपने पथ-प्रदर्शक के रूप में लें और जो कुछ भी आप करते हैं उसमें अलग दिखने का लक्ष्य रखें। जो रंग आपने चुना है उसे आपको याद दिलाने दें की आप भीड़ से अलग हैं और ये भी याद रखें :

'आप यहां ज्योति बनने के लिए हैं, संसार में परमेश्वर के रंग बिखेरने के लिए। परमेश्वर कोई रहस्य नहीं कि गुप्त रखा जाए। हम इसे सार्वजनिक कर रहे हैं, इतना सार्वजानिक जैसे पहाड़ पर बसा हुआ एक शहर' (मत्ती 5:14, एमएसजी अनुवाद)।

चुनौती

भीड़ से अलग खड़े होने के लिए आपको कोई प्रसिद्ध व्यक्ति या एक बड़े आदमी की हैसियत रखने की आवश्यकता नहीं है। अपने आसपास के लोगों पर प्रभाव डालकर अपनी छाप छोड़ें। परमेश्वर को आपके चरित्र को निरन्तर आकार देने दें, क्योंकि आपके सभी कार्य उसी से प्रवाहित होते हैं। परमेश्वर में बने रहें, आप जो हैं वही बने रहें और भीड़ से अलग खड़े हों।

प्रार्थना धमाका 4 | अपनी छाप छोड़ें

'तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें नियुक्त किया कि तुम जाकर फल लाओ और तुम्हारा फल बना रहे, कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से माँगो, वह तुम्हें दे। इन बातों की आज्ञा मैं तुम्हें इसलिये देता हूँ कि तुम एक दूसरे से प्रेम रखो' (यूहन्ना 15:16-17)।

बधाई हो! आपने यहाँ तक की अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हम सब की यात्राएँ अलग-अलग तरह से होती हैं, इसलिए मैं यह समझने का प्रयत्न नहीं करूँगा /करुँगी कि आपकी यात्रा कैसी रही। क्या यह आसान है? क्या यह कठिनाइयों से भरी है? आज हम अपनी यात्रा पर ध्यान देंगे और देखेंगे कि हम किस प्रकार फल ला सकते हैं। या दूसरे शब्दों में: हम अपनी छाप कैसे छोड़ सकते हैं।

जब हम प्रभु यीशु के जीवन को देखते हैं, तो हम पाते हैं कि यह केवल दूसरों की सेवा करने के लिए था। तीन साल के दौरान वह गलील और यहूदिया में घूमता रहा, शिष्यों और भीड़ को शिक्षा देता रहा, चमत्कार करता रहा और कलीसिया के अगुवों को फटकार लगाता रहा। उसने निश्चित रूप से अपनी छाप छोड़ी! यदि आप आज इज़राइल जाते हैं, तो आप ऐसे लोगों को देखेंगे जो उसके नक़्शे-कदम पर हैं। वे वास्तविक जीवन में यीशु के पीछे चलने के अर्थ की कल्पना करने की कोशिश कर रहे हैं। और सिर्फ यीशु ही अकेला नहीं है जिसका अनुसरण किया जाता है और इतनी बारीकी से देखा जाता है। नेल्सन मंडेला के जीवन को भी काफी बारीकी से देखा गया है। लोग राष्ट्रपति महल या रॉबेन द्वीप जाते हैं जहां उन्हें जेल में रखा गया था। और भी बहुत हैं। ऐनी फ्रैंक, राष्ट्रपति लिंकन या विलियम और कैथरीन बूथ के बारे में सोचें। क्या आप जानते हैं कि मुक्ति फ़ौज के स्वयंसेवक लोगों को लंदन के ईस्ट एंड में एक दौरे पर ले जाते हैं, हमारे संस्थापकों की निशानियों को देखने और मुक्ति फ़ौज के शुरुआती दिनों को फिर से याद करने के लिए?

दुनिया में इतनी मजबूत छाप छोड़ने की कल्पना कीजिए।
पदचिह्न शब्द का प्रयोग कई तरह से किया जा सकता है। फोरेंसिक जांच में एक पदचिह्न एक अपराध स्थल में सबूत हो सकता है। पुरातत्व में, पैरों के निशान जीवाश्मों में संरक्षित पाए गए हैं जो प्रागैतिहासिक जीवन का दस्तावेज हैं। डिजिटल दुनिया में, हमारे पास एक डिजिटल पदचिह्न है जिसे हम आमतौर पर अनजाने में पीछे छोड़ जाते हैं जो हमें पहचान के खतरों की तरफ़ ले जा सकता है। और फिर हमारे पारिस्थितिक या कार्बन पदचिह्न हैं जो हमें पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर हमारे प्रभाव को समझने में मदद करते हैं।

हम अपने जीवन जीने के तरीके के आधार पर जहां भी जाते हैं, हम सभी अपने पीछे पदचिन्हों का निशान छोड़ जाते हैं। बस इसके बारे में एक मिनट के लिए सोचें। आप अपने पीछे क्या निशान छोड़ते हैं? क्या यह ऐसा मार्ग है जिस पर दूसरों को चलना चाहिए, आपके पदचिन्हों पर चलना चाहिए? या हो सकता है कि इसके बगल में एक 'खतरे' का निशान हो, क्योंकि आपने ऐसे काम किए हैं जो आपके लिए या दूसरों के लिए हानिकारक थे। आपके कदम चाहे जो भी हों, आपके द्वारा छोड़ा गया हर नया पदचिह्न दूसरों को यीशु की ओर संकेत कर सकता है। क्या आप प्रेम के आधार पर अपने कदमों का चयन करते हैं? यह वह प्रेम है जिसके कारण यीशु ने दूसरों के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया (यूहन्ना 15:9-10; 12-13)। और क्या आप उसके प्रेम से परिपूर्ण कदमों पर फिर से चलने को तैयार हैं? यह असाधारण प्रेम ही है जो हमारे हृदयों को न केवल उन लोगों से प्रेम करने के लिए आगे

बढ़ता है जिन्हें प्रेम करना आसान है, बल्कि हर किसी को, जिसमें आपके सबसे बुरे शत्रु भी शामिल हैं। चिंता न करें! जब आप प्रभु यीशु को अपना नेतृत्व करने की अनुमति देते हैं और जब आप उसे अपनी प्रेरणा का स्रोत बनने देते हैं, तो आगे की यात्रा का वास्तविक प्रभाव होगा। यह हमेशा आसान नहीं होगा, लेकिन यह किसी लायक ज़रूर होगा। और आप अकेले यात्रा नहीं कर रहे हैं!

चुनौती

आइए एक पल के लिए अपने पद्चिन्हों के बारे में सोचें। यदि आप सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, तो क्या आपकी टिप्पणियाँ, संदेश और तस्वीरें यीशु मसीह की ओर इशारा करती हैं? आपके सोशल मीडिया के पदचिह्न कैसे प्रतीत होते हैं? और 'वास्तविक दुनिया' में? आप अपने आसपास के लोगों से क्या कहते हैं? आपके कार्य कैसे यीशु को दर्शाते हैं?

हमारे पास दूसरों को ईश्वरीय जीवन जीने के लिए प्रेरित करने, उत्साहित करने और प्रभावित करने का अवसर है। हमारे पास इस दुनिया को बदलने और परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने का मौका है।

इसके बारे में सोचें:

- परमेश्वर ने आपके हृदय में क्या रखा है?
- आप अपनी छाप छोड़ने के लिए किस ओर अग्रसर महसूस करते हैं?

परमेश्वर के वचन में बताए गए पदचिन्हों पर चलिए। परमेश्वर की आत्मा आपको प्रेरित करे और आपका मार्गदर्शन करे।

प्रार्थना

हे परमेश्वर, काश आप मेरे कदमों को निर्देशित करें। काश कि मैं उस मार्ग पर चलूं जो तुझे भाए। आप को सुनने के लिए मेरे हृदय की रखवाली करें। लोगों को आपके राज्य में लाने के लिए छाप छोड़ने में मेरे कार्यों को प्रेरित करें।

बाइबिल सन्देश की रूपरेखा 'मेरे पीछे आओ!'

परिचय और स्वागत

यदि आपके हाथ में यह कागज है, तो इसका मतलब है कि आपको बच्चों और युवाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के लिए एक बाइबिल सन्देश सौंपा गया है। बधाई हो!

इस रूपरेखा में आप कुछ पृष्ठभूमि की जानकारी और अपना सन्देश बनाने के लिए कुछ संकेत पा सकते हैं। आप एक अद्वितीय व्यक्ति हैं और परमेश्वर आपसे एक अनोखे तरीके से बात करता है। तो इसलिए परमेश्वर जो कुछ कहता है उसे पढ़कर और ध्यान से सुनकर इस सन्देश को अपना बनाएँ।

परमेश्वर के साथ इस यात्रा का आनंद लें और इससे आशीषित हों और दूसरों के लिए आशीष बनें!

मैं एक सन्देश कैसे तैयार कर सकता हूँ?

1. पवित्रशास्त्र के पदों को प्रार्थनापूर्वक पढ़ने के लिए समय निकालें। इसे कई बार करें और तीन अलग-अलग अनुवादों या संस्करणों का उपयोग करें। कौन-सी बात आपका ध्यान खींचती है? आपके सवाल क्या हैं? आपको क्या चुनौती देता है? परमेश्वर आपसे क्या कह रहा है? इन सब को लिखें।
2. पृष्ठभूमि की जानकारी पढ़ें। यह बाइबल की आयतों के बारे में आपकी समझ को कैसे प्रभावित करता है? अपने विचारों को अपने नोट्स में जोड़ें।
3. उन लोगों के बारे में सोचें जिनसे आप बात कर रहे हैं। कौन हैं वे? उनकी पृष्ठभूमि क्या है? वे कितने साल के हैं? उनकी ज़रुरत क्या है? आप हमेशा बच्चों और युवाओं के समूह को व्हाट्सएप या मैसेंजर संदेश भेज सकते हैं। उनसे बाइबल के पदों को पढ़ने के लिए कहें और वे आपको बताएं कि उनके पास कौन से प्रश्न हैं और उन्हें क्या चुनौती मिलती है। यह जानकारी हमेशा बहुत मददगार होती है और यह निश्चित रूप से आपको अपने सन्देश के लिए एक अच्छी दिशा प्रदान करेगी।
4. वह क्या सन्देश है जो आप चाहते हैं कि लोग अपने साथ ले कर जाएं? इसे एक वाक्य में लिखिए।
5. अपने सन्देश में एक से तीन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करें। अपना खुद का चयन करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें, लेकिन यहां एक उदाहरण है:
    a. देखना - यीशु नए शिष्यों में क्या देखता है और वह हममें क्या देखता है, इस पर ध्यान केंद्रित करना।
    b. अनुगमन - इस पर ध्यान केंद्रित करना कि चेलों के लिए सब कुछ पीछे छोड़कर यीशु के पीछे चलने का क्या मतलब था। हमारे लिए यीशु का अनुसरण करने का क्या अर्थ है?
    c. मछली पकड़ना - लोगों का मछुआरा बनाने के बारे में यीशु के शब्दों के अर्थ पर ध्यान केंद्रित करना। हमारे जीवन में इसका क्या अर्थ है?
6. आप इन तीन बिंदुओं को उन सूचनाओं और प्रश्नों के साथ सामने रख सकते हैं जो आपके पास स्वयं या युवा लोगों के समूह से मिले थे।
7. लोगों को चुनौती देने वाले कुछ 'आश्चर्यजनक' प्रश्नों के साथ अपना सन्देश समाप्त करें:
    a. मुझे आश्चर्य है कि इस कहानी का कौन सा हिस्सा आपके बारे में है?
    b. मुझे आश्चर्य है कि इस कहानी का कौन सा भाग सबसे महत्वपूर्ण है?
    c. मुझे आश्चर्य है कि इस कहानी में आपको सबसे ज्यादा क्या चुनौती देता है?

8. लोगों को अपने तरीके से जवाब देने के लिए आमंत्रित करें कि परमेश्वर उनसे क्या कह रहा है। क्या परमेश्वर एक नया समर्पण माँगता है? क्या परमेश्वर लोगों को कुछ करने की चुनौती देता है? दया-आसन की व्याख्या करें और लोगों को प्रार्थना, समर्पण या अपनी वाचा के नवीनीकरण के स्थान के रूप में दया-आसन का उपयोग करने के लिए आमंत्रित करें।

पवित्र-शास्त्र - मत्ती 4:18-22 *(BSI)*

'गलील की झील के किनारे फिरते हुए उस ने दो भाइयों अर्थात् शमौन को जो पतरस कहलाता है, और उसके भाई अन्द्रियास को झील में जाल डालते देखा; क्योंकि वे मछवे थे। यीशु ने उन से कहा, "मेरे पीछे चले आओ, तो मैं तुम को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाऊँगा।" वे तुरन्त जालों को छोड़कर उसके पीछे हो लिए।
वहाँ से आगे बढ़कर, यीशु ने और दो भाइयों अर्थात् जब्दी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को देखा। वे अपने पिता जब्दी के साथ नाव पर अपने जालों को सुधार रहे थे। उसने उन्हें भी बुलाया। वे तुरन्त नाव और अपने पिता को छोड़कर उसके पीछे हो लिए।'

पृष्ठभूमि की जानकारी

(सन्देश में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए)

बड़ा दृश्य और मत्ती

यह एक महत्वपूर्ण कहानी होनी चाहिए क्योंकि इसका उल्लेख मरकुस की इंजील (मरकुस 1:16-20), लूका (लूका 5:1-11) और थोड़े परिवर्तन के साथ यूहन्ना की इंजील (यूहन्ना 1:35-44) में भी आया है। सुसमाचार के सभी लेखकों का मानना था कि पाठकों को यह बताना महत्वपूर्ण है कि 12 शिष्यों का साहसिक कार्य कैसे शुरू हुआ, कैसे उन्होंने यीशु के साथ अपना पहला कदम उठाया। और मत्ती इस कहानी को यीशु के पहले सन्देश, अध्याय 5-7 में प्रसिद्ध पहाड़ी उपदेश, से भी पहले बताता है।

यदि आप वास्तव में मत्ती की पुस्तक में गहराई तक जाते हैं, तो आप देखते हैं कि यीशु जो कुछ भी कहता और करता है वह परमेश्वर के नए संसार की ओर इशारा करता है; परमेश्वर का राज्य। आप इसे दृष्टान्तों में देखते हैं, राई के बीज, खमीर और पहाड़ी उपदेश की कहानियों में। जबकि लूका मुख्य रूप से ग्रीक श्रोताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, मत्ती यहूदी समुदाय पर ध्यान केंद्रित करता है और उन्हें बताता है कि स्वतंत्रता सभी के लिए है। आपको सभी प्रकार के अनुष्ठानों और सभी प्रकार के नियमों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। यह एक नदी में पानी की तरह उपलब्ध है (मत्ती 3)। मत्ती में, लेकिन न केवल मत्ती में, यीशु मसीह दुनिया को उलट देता है। और हम सब भी उस उलटे हुए साम्राज्य का हिस्सा बन सकते हैं

शिष्यों के बारे में

तो, क्या कोई यीशु का अनुयायी बन सकता है? यीशु हमें इस प्रश्न का उत्तर इस विशेषता के द्वारा दिखाता है कि वह किसे बुलाता है। यह बुलाहट बेतरतीब नहीं है। मुझे महसूस होता है कि यह विरोधाभासी लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। मैं समझाता हूँ क्यों।

यहूदी परंपरा में यह असामान्य नहीं था कि रब्बियों ने विद्यार्थियों को उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए आमंत्रित किया। यह एक बड़ा सम्मान माना जाता था यदि आपके पुत्रों में से एक रब्बी का अनुसरण करने के लिए चुना गया हो और यह सीखना कि यहूदी विद्वान या शिक्षक होने का क्या मतलब है। यीशु के समाज में यह केवल बहुत ही प्रतिभाशाली और उच्च वर्ग के लड़कों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक था।

इसलिए, यह बहुत अजीब नहीं है कि चेलों ने तुरंत यीशु का अनुसरण किया जब उनसे अनुसरण करने के लिए कहा गया। एक रब्बी का अनुसरण करना एक बड़ा सम्मान था! खास बात यह थी कि ये लड़के नहीं, पुरुष थे। आप जितने बड़े होते जाते हैं, इसे सीखना उतना ही मुश्किल होता जाता है, इसलिए यह यीशु की एक अजीब पसंद है कि वह 'उम्रदराज़' पुरुषों को चुनता है।

दूसरी अजीब बात यह है कि यीशु ऐसे लोगों को चुनाव करता है जिनके पास कोई पेशा हो। वे मछुआरे थे। उनका मार्ग निर्धारित था। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलना ही उनकी मंज़िल थी। एक बार मछुआरा, हमेशा मछुआरा। क्या ऐसा हो सकता है कि यीशु यह चाहता था कि दुनिया जाने कि कोई भी उसके नक्शेकदम पर चल सकता है? आपके पैरों के निशान एक निश्चित तरीके से सेट नहीं होते हैं। आप कभी भी, कहीं भी, आपकी पृष्ठभूमि, पालन-पोषण या जाति जो भी हो, यीशु का अनुसरण करने का चुनाव कर सकते हैं। यह सभी के लिए है, यहां तक कि उन मामूली मछुआरों के लिए भी।

जैसे ही मछुआरे यीशु के पीछे चलने लगे, उनकी पहचान बदल गई। वे अब मछुआरे नहीं थे, बल्कि 'शिष्य' थे। तो, शिष्य क्या है? हम उत्तर के लिए ऑक्सफोर्ड लर्नर्स डिक्शनरी की ओर रुख करते हैं:

'लोगों में से कुछ एक जिन्होंने यीशु मसीह और उसकी शिक्षाओं का पालन किया जब वह पृथ्वी पर था, विशेष रूप से बारह में से एक'

उस क्षण से, वे यीशु की शिक्षा को सुनने लगे, उसके आश्चर्यकर्मों को देखने लगे, उसके साथ भोजन करने लगे, उसके साथ चलने लगे और उसके साथ बातें करने लगे। उन्होंने सीखा कि कैसे परमेश्वर, हमारे पिता से प्रेम किया जाए और कैसे दूसरों से प्रेम करना है। चेलों ने एक ब्याह,

एक पहाड़, एक झील और कई शहरों, घरों और लोगों तक यीशु के पदचिन्हों का अक्षरशः पालन किया। यीशु के पदचिन्हों पर चलने का हमारे लिए क्या मतलब है? हम लगभग 2,000 साल पहले के शिष्यों की तरह ऐसा नहीं कर सकते। लेकिन हम उनकी शिक्षाओं से सीख सकते हैं और उनकी तरह ही परमेश्वर के संतान के समान जीवन जी सकते हैं। बाइबल हमें यीशु की कई शिक्षाओं को दर्शाती है और साथी शिष्य (मसीही) अपनी कहानियों को साझा कर सकते हैं कि वे कैसे यीशु का अनुसरण करते हैं। क्या आपने कभी गौर किया है कि यीशु ने शुरुआत में 12 शिष्यों को चुना था? और यह कि

अनुयायियों का यह समूह बड़ा और बड़ा होता गया? जाहिर है, यीशु चाहता है कि हम अन्य अनुयायियों के साथ यात्रा जारी रखें। इसलिए, उनके करीब रहें जो आपको दर्शाते हैं कि यीशु के पीछे कैसे चलना है। और प्रार्थना और एकांत के समय के द्वारा स्वयं यीशु के निकट रहते हैं। यदि आप वास्तव में देखना चाहते हैं कि यीशु आपको कहाँ ले जाना चाहता है, तो आपको नज़दीकी में बने रहने की आवश्यकता है!

प्रश्न

इस कहानी में कुछ सवाल हैं। हो सकता है कि आप कलीसिया के लिए कुछ प्रश्नों को छोड़ जाएं जिनके बारे में वे विचार कर सकते हैं:

- मुझे आश्चर्य है कि यदि आप इन मछुआरों में से एक होते तो आप क्या करते?
- मुझे आश्चर्य है कि क्या यीशु ने कभी आपको अपने पीछे चलने के लिए कहा है?
- मुझे आश्चर्य है कि आपने उस प्रश्न का उत्तर कैसे दिया?
- मुझे आश्चर्य है कि आपकी स्थिति में यीशु के पदचिन्हों पर चलना कैसा है?
- मुझे आश्चर्य है कि क्या आप अन्य अनुयायियों या शिष्यों के बिना यीशु का अनुसरण कर सकते हैं?

बेझिझक इनमें से कुछ प्रश्नों का चयन करें, लेकिन हो सकता है कि आपको अपने आसपास के युवाओं से भी प्रश्न प्राप्त हुए हों या आपके अपने कुछ प्रश्न हों।

मैं प्रार्थना करता हूं कि आप अपनी तैयारी के दौरान आशीषित होंगे और यीशु के संदेश को स्वतंत्र रूप से साझा करने की स्वतंत्रता महसूस करेंगे।

कैप्टेन मार्क पॉटर्स

पदचिन्ह

पदचिन्ह

[आयत 1]

हम बहुत दूर आ गए हैं
किनारों पर होने के बजाय
एक मिसाल क़ायम करने
हमारी आवाज़ें गूंजती हैं परदेस में और बड़ी दूर से
हाथों में हाथ लिए हम बेहतर वक़्त देखेंगे
एक छाप छोड़ेंगे, हमारे पैरों के निशान बोलते हैं
हमें बोलने की ज़रुरत नहीं, परमेश्वर बोल चुका है
हमें डरने की ज़रुरत नहीं, ज़ंजीरें तोड़ दी गई हैं

[कोरस]

मुबारक हैं
वो जो पीछे पीछे चलते हैं
राह में परमेश्वर की दिशा के पीछे
काश हमारे कदमों की
हमेशा अगुवाई हो
उन वचनों से जो परमेश्वर हर रोज़ बोलता है

[आयत 2]

अब समय आ पँहुचा है
आगे बढ़ते हुए, मज़बूती से खड़े होकर
सही का चुनाव, और ग़लत से दूरी बनाते हुए
हम अपने पदचिन्ह छोड़ते हैं, रात और दिन
प्रभु, तू हमेशा हमारे साथ रहता है
तेरी पवित्र सामर्थ लड़ने में हमारी मदद करती है
हमें सिर्फ भरोसे की ज़रूरत है, परमेश्वर राह दिखा रहा है
हमें सिर्फ विश्वास की ज़रुरत है, परमेश्वर मुहैया कर रहा है

पदचिन्ह

आयत 1

तू ख़ुदा है
तू ख़ुदा है
तेरी ही तारीफ़ हो

सिर्फ तू ही
सच्चाई है
ज़िन्दगी और राह है

तू हमें चलाता है
और तू ही हमें संवारता है
ख़ुदावन्द हम तेरी तारीफ़ करते हैं
ऐ ख़ुदावन्द हम तेरी तारीफ़ करते हैं

(मुखड़ा)
हम हाल्लेलुयाह गाते हैं
हम हाल्लेलुयाह गाते हैं
और तेरे पदचिन्हों पर चलते हैं
मनुष्य के पुत्र यीशु के माध्यम से

आयत 2

ऐ प्रभु हमारी अगुवाई कर
अपने मार्ग की ओर कि हम गुनाह से मुंह मोड़ लें
बोझ से हमें छुटकारा दे
ताकि हम हुक्म मानें